[39] SEAT No._____ No. of Printed Pages : 2

Sardar patel University

B.A. Examination (Sem-3) 2018-19

SAMIXATMAK SAHITYA HINDI PART-1(UA03IALH03)

Thursday, November-22, 2018 Time - 2:00 to 5:00p.m. total marks: 70

प्र. १ स-संदर्भ व्याख्या कीजिए: (किन्हीं तीन) (१५)

१) "आज से सोलह साल बाद शायद तुम अपनी बेटी को लेकर इस कोलेज में आओ, तब भी तुम मुझे यहीं पाओगी। कोलेज के पचपन खंभों की तरह स्थिर, अचल।"

२) "हरखू की माँ, चलती हो तीरथ को? मैं तो चली।"

३) "तुम भी एक ही मूर्ख हो! घर से दूर, यहाँ कमरा लेकर अकेली रहती हो, रिसर्च कर रही हो, दुनियाभर में घूमती फिरती हो और इण्टरव्यू के नाम से डर लगता है। क्यों?

४) "...मैंने उस रात सोने से पहले अपने तकिये के नीचे वह नेलकटर रख दिया था। उसे मैंने बहुत खोजा। लेकिन आजतक, कई वर्षों बाद भी वह कभी नहीं मिला।.."

५) बिना मजदूरी के पेट-भर भात पर काम करनेवाला कारीगर। दूध में कोई मिठाई न मिले, कोई बात नहीं--किन्तु बात में जरा भी झाल वह नहीं बरदाश्त कर सकता।

प्र. २ उपन्यास की परिभाषा देते हुए उपन्यास के तत्वों की समीक्षा कीजिए। (२०)

अथवा

प्र. २ टिप्पणी लिखिए।

क) 'पचपन खंभे लाल दिवारें' उपन्यास की कथावस्तु।

ख) 'पचपन खंभे लाल दिवारें' उपन्यास के आधार पर सुषमा का चरित्र-चित्रण।

प्र. ३ कहानी के तत्वों के आधार पर 'ठेस' कहानी की कथावस्तु को अपने शब्दों में लिखिए। (२०)

अथवा

प्र. ३ टिप्पणी लिखिए।

क) 'महुए का पेड' की दुखना।

ख) 'नेलकटर' की प्रतिकात्मकता।

(P.T.O.)

प्र. ४ सूचना अनुसार लिखिए। (१५)

क) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

1) 'पचपन खंभे लाल दिवारें' उपन्यास में..... कितने परिच्छेद हैं।

2) सुषमा नील से ..... वर्ष बडी है।

3) 'ठेस' कहानी के मुख्य नायक का नाम ..... है।

4) दुखना ..... कहानी की नायिका है।

5) 'यहीं सच है' कहानी के आधार पर .....हिंदी फिल्म बनी है।

ख) जोडे मिलाइए।

1) 'पचपन खंभे लाल दिवारें'	-	उदय प्रकाश
2) 'ठेस'	-	इरा
3) 'महुए का पेड'	-	नारायण
4) 'नेलकटर'	-	मार्कण्डेय
5) 'यहीं सच है'	-	सिरचन
		शामनाथ

ग) एक वाक्य में उत्तर दीजिए।

1) सुषमा के माता पिता किस शहर में रहते थे?

2) सिरचन बांस की तिलियों से क्या बनाता था?

3) दुखना के मन में क्या लालसा थी?

4) दीपा कानपुर में क्यों रहती थी?

5) पिताजी नेलकटर कहाँ से लाए थे?

— X —